University in News on 07 December 2023

NBT PAGE 6

LU: 66वें दीक्षांत समारोह में 107 मेधावियों को मिले 193 पदक, कुलाधिपति बोलीं...

नेता बनना है तो समाज से जुड़ें

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के 66वें दीक्षांत समारोह में बुधवार को 107 मेधावियों को कुल 193 पदक दिए गए। इनमें 26 छात्रों और 79 छात्राएं हैं। इसके साथ कुल 43,398 स्टूडेंट्स को डिग्री दी गई। इस दौरान कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने गरुण में 103 पूट ऊंचे विशेष का भारतीय शिल्प और कैमल से बने लोधेश्वर स्तंभ का लोकार्पण भी किया। उन्होंने विद्यार्थियों को आगाह दी कि नेता बनना है तो समाज से जुड़ो समाज्यशी के द्विपक्षीय रीती निभाओ। मंच में हस्तदान का विशेष का महोत्सव शुरुआत कर।

समारोह में कुलाधिपति ने रोहिलखण्ड इंजिनेरिंग कॉलेज डॉ. महेश गोयल को सांसद भी चयन उपाधि दी। स्कूली बच्चों को उपकरण के विषयों और कुछ अंतरराष्ट्री कार्यकलापों को किट दी। इस दौरान दीक्षांत समारोह में 10 दिन पहले कई छात्र पहले मिलने राजभवन पहुंचे। मेरे पूछा कि कुलपतियों ने हस्तदान कर्ज कर दे दी। स्टूडेंट्स ने जवाब दिया कि जिन्होंने गवर्नर कनन हैं, वे हस्तदान कर रहे हैं। इस पर मैंने कहा कि कब हस्तदान करने से सजनेत्र कर सकते हैं। कभी देखा है कि लोग जीते जीते कर्ज हस्तदान पर बैठे हो। जिसने देखा है और जिसेने उपकलिपयों प्राप्त की है, वे हस्तदान कर आने नहीं चाहते हैं। राजपाल ने यह भी कहा कि अविवरण विश्वविद्यालय में पदक पाने वाले में लड़कियों की संख्या अधिक है। इस रिपोर्ट में बेहतरन की अवसरता है, क्लासिक लड़कियों का आगे बढ़ना अच्छी बात है।

महर्षि भारद्वाज ने बताई विमान बनाने की तकनीक

राजपाल ने कहा कि वैदिक काल से ही हमारी विमान समृद्ध थी। महर्षि भारद्वाज ने यंत्र सर्वस्व ग्रंथ लिखा था। उन्होंने वैमानिक शास्त्र भी लिखा। इसका उपयोग करने पर आठ तरीके के विमान सकते आए। इसी आधार पर मुंबई निवासी शिवकर बापू जी जरनाई ने राइट ब्रदर्स से आठ साल पहले ही विमान का निर्माण कर लिया था और मुंबई के चौपाटी में परीक्षण भी किया। यह विमान 1500 फुट की ऊंचाई पर उड़ान भरा था। इसे हवा में उड़ाने के कुछ क्षेत्र...

टीबी को जड़ से खत्म करने का लक्ष्य: प्रो. बलराम भार्गव

■ एनबीटी नं, लखनऊ: पशुओं के दीक्षांत समारोह में एम्स के चीफ इंस्टीट्यूशनल सर्वेलेंस प्रोफेसर डॉ. बलराम भार्गव सहित मुख्य अतिथि रहे। कोविड-19 महामारी के दौरान कोविड की स्पेशली बिमारी कोलेबोरेशन के विकास में उनका अहम योगदान रहा था। उन्होंने एनबीटी से कोलेबोरेशन के विकास के बारे में बताया। इसका उपयोग करने पर आठ तरीके के विमान सकते आए। इसी आधार पर मुंबई निवासी शिवकर बापू जी जरनाई ने राइट ब्रदर्स से आठ साल पहले ही विमान का निर्माण कर लिया था और मुंबई के चौपाटी में परीक्षण भी किया। यह विमान 1500 फुट की ऊंचाई पर उड़ान भरा था। इसे हवा में उड़ाने के कुछ क्षेत्र...

दुनिया में 6 में से एक डॉक्टर भारतीय

मुख्य अतिथि प्रो. बलराम भार्गव ने कहा कि हमारा देश जन्मजात, जन्म विकास से जन्म निधान और जन्म उपकुशलता तक पहुंचा है। यूनी दुनिया में 6 में एक डॉक्टर भारतीय है। भारत 65% केमिस्ट दवा और लगभग 60% वैक्सीन का निर्माता है। उन्होंने कहा कि गुरुत्व में बड़ा आंकड़ेशियन प्रदान करना चाहिए।

बढ़ गई जिम्मेदारी

मुख्य अतिथि प्रो. बलराम भार्गव ने कहा कि हमारा देश जन्म जन्मन, जन्म विकास से जन्म निधान और जन्म उपकुशलता तक पहुंचा है। यूनी दुनिया में 6 में एक डॉक्टर भारतीय है। भारत 65% केमिस्ट दवा और लगभग 60% वैक्सीन का निर्माता है। उन्होंने कहा कि गुरुत्व में बड़ा आंकड़ेशियन प्रदान करना चाहिए।

जिसमें मन,उसमें करिअर बनाएं

रोहिलखण्ड इंजिनेरिंग कॉलेज डॉ. महेश गोयल ने सलाह दी कि जिसमें अच्छे हो, उसे में करियर बनाए। उन्होंने बताया कि क्रिकेट इंडिया में मैचमें में 150 में मैं 65 रनर थे, जबकि अंडरमें में 150 में 128 रनर थे। मैंने में कम रनर के कारण एसोसिएशन छोड़ दिया। जिसका अंतर के अगले दिन एक शिक्षक पर आए।

उन्होंने आज-दिन को समझाया कि इंजिनियरिंग के बजाय अंग्रेजी में बीए ऑनर्स कराएं। कारियर ज्यादा अच्छा होगा। माता-पिता मान गए। इसके बाद मुझे इंग्लिश में गोल्ड मेडल मिला।

उन्होंने कहा कि जिस चीज में आप अच्छे हों, उसी में करियर बनाएं। ऐसा कुमार राय ने साबित कर दी है।

मेधावी बोले, सिविल सर्वेंट और प्रफेसर बनने का है सपना

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

हाथ में आई डिग्री, सपनों ने भरी उड़ान

लखनऊ विश्वविद्यालय का 66वां दीक्षांत समारोह

मेधावियों को दिए गए 193 पदक और 43,298 डिग्रियां

दीक्षांत समारोह में मेडल पाने वाले मेधावियों संग राजपाल आनंदीबेन पटेल, डॉ. बलराम भार्गव, प्रभा तिवारी राजपाली रानी तिवारी व कुलपति आलोक राय। साभार

मई विटी रिपोर्टर

लखनऊ। शनी में डिग्री पाकर उनके चेहरों पर खुशी थी। साथ ही वह भविष्यों के सपनों में खोए थे। ...लखनऊ में आने की यही बात उपनाम बेटियां में समेटर करने की उपलब्ध बेटियां में पढ़ाई की उपलब्ध बेटियां में पढ़ाई की यही उपलब्ध बेटियां में पढ़ाई की यही उपलब्ध बेटियां में पढ़ाई की यही

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

मेडल पाकर खिले मेधावियों के चेहरे

पीएसी बैंड की सुमधुर धुनों से गूंजा परिसर, एलयू का 66वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न

स्वतंत्र भारत संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय का 66वें दीक्षांत समारोह काला परामर्श के विशालकाय मैदान में सुन्दर मखमली के बीच भला मंच पर कार्यक्रम की शुरूआत ने पूर्व राज्यपाल ने विधि परिसर में उपस्थापित शिक्षण स्थल का उद्घाटन किया। इसके पश्चात कुलपतिपति अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ चरक अलंकरण कक्ष में चले गए जहां उन्हें और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को दीक्षांत समारोह की पोशाक पहनाई गई। इसके बाद समूह फोटो खींचने के बाद सभी अतिथियों ने मुख्य अतिथि, कुलपति, प्रति कुलपति, कुलसचिव और कार्यकारी परिषद के सदस्यों तथा अन्य लोगों के साथ दीक्षांत समारोह कक्ष में प्रवेश किया। राष्ट्रीय गीत और जन गण मनगीतियों के बाद, विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों ने विश्वविद्यालय का कुलगीत गाया। इसके बाद कुलपति डी.आलोक कुमार राय ने कुलपतिपति से अनुरोध किया। जिसके उत्तरोत्र आनंदीबेन पटेल ने दीक्षांत समारोह के उद्घाटन की घोषणा की। इसके पश्चात कुलपति ने उपस्थित सभी डिग्री धारकों को दीक्षा दी। इसके बाद संबंधित संकायों के डीन और कुलपति ने विभिन्न विषयों के स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों को डिग्री प्रदान की। डिग्री प्रदान करने के कार्यक्रम के उपरांत कुलपतिपति ने डिग्रीलोगर में डिग्रियों को शामिल करने के लिए कम्प्यूटर मैनेज दबाया और सभी विद्यार्थियों को डिग्रीलोगर में डिग्री उपलब्ध कराई गयी। साथ ही उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2022-23 में विश्वविद्यालय की गतिविधियों और उपलब्धियों और लखनऊ विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा शिक्षी गई पुस्तकों को प्रदर्शित करने वाली एक पुस्तिका का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद रेडियम्फूयूर इंडिया के सीएमडी डॉ.संदीप गोयल को मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। कुलपतिपति ने कुछ चयित बच्चों को उपहार और किताबें भेंट की। इसके अलावा, उन्होंने कुछ अध्यापकीय कार्यकर्ताओं को बिट उपहार में दी और फिर चयित बच्चों और अध्यापकीय कार्यकर्ताओं के साथ समूह तस्वीरें खिंचवाईं।

राज्यपाल ने अपने अध्यक्षीय भाषण के बाद सभी महानुभावों को अभिवादन और स्मृति चिन्ह के रूप में पुस्तक देकर सम्मानित किया गया। कुलपति के अनुरोध पर दीक्षांत समारोह को समाप्ति की घोषणा की। राष्ट्रगान के बाद दीक्षांत समारोह कक्ष से शैक्षणिक जुलूस कुलपतिपति ने 66वें दीक्षांत रवाना हुआ।

डॉ.बलराम भार्गव ने विद्यार्थियों को दिए सफलता के मंत्र

66वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रोफेसर डॉ.बलराम भार्गव ने अपने संबोधन में सभी डिग्री धारकों और पदक विजेताओं को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। इसके बाद उन्होंने कहा कि हम अब आजादी के 75वें वर्ष में हैं और यह हमारी आजादी का अमृतकाल है। इसके बाद उन्होंने आजादी के पूरे 75 वर्षों में देश द्वारा हासिल की गई विभिन्न उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने कहा कि अर्थ और वेंचरल सेक्टर, फिनटेक और बांग्लादेश के अलावा देश की रक्षा सेवाओं ने देश की रक्षा की है और देश को विमलता प्रदान की है। उन्होंने देश के अंतरिक्ष और परमाणु कार्यक्रम के बारे में भी बात की और पोखरण-1 और पोखरण-2 की उपलब्धियों का उल्लेख किया और कहा कि देश जय जवान, जय किसान से जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय ओर बढ़ गया है। अनुसंधान पेटेंटिंग क्षेत्र के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में 6 में से 1 डॉक्टर भारतीय हैं, इसी तरह पूरी दुनियाने 05 में से 01 नर्स भारतीयहैं, और भारत 65 फीसदी जेनेरिक दवा और लगभग 60 फीसदी वैक्सीन का निर्माता है। भारत में विभिन्न क्षेत्रों में उन्होंने देश में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें पांच बिंदुओं का पालन करना चाहिए, जिसमें समय की पाबंदी, व्यवसायिक ज्ञान और योग्यता, पेशे में समर्पणता और ईमानदारी, सामाजिक प्रतिबद्धता और पेड़ लगाना है। पद्मश्री प्रोफेसर बलराम भार्गव ने छात्रों को सफलता के लिए कड़ा परिश्रम करने की सलाह दी।

डॉ.गोयल मानद उपाधि से हुए सम्मानित

मानद उपाधि से सम्मानित होने के बाद डॉ.गोयल ने अपने संबोधन में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल और कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय को ऐसी प्रतिष्ठित डिग्री के लिए धन्यवाद दिया और विज्ञ के इस महान केंद्र में उन्हें जोड़ने के लिए पूरे संकोच को धन्यवाद दिया। उन्होंने अपने बारे में एक छोटी सी कहानी सुनाकर छात्रों को भारत के बारे में उन्होंने अपना भाषण इंजीनियरिंग से हटाकर अंग्रेजी की ओर किया और आजादी में गोयल मेडल शामिल किया। उन्होंने अपनी मांगुनी शैक्षिक यात्रा का एक विश्लेषणात्मक भी प्रदान किया था।इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 100 फीट ऊंचे पोल पर राष्ट्रीय तिरंगा झंडा फहराया। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर विधि के गेट नंबर दो पर स्थित उनकी प्रतिमा श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नव स्थापित संविधान स्थल का उद्घाटन किया। इस संविधान स्थल पर हमारे भारतीय संविधान की प्रस्तावना एवं रोमन भाषा दोनों ही लिपियों में स्थापित की गयी है।

लविवि का उद्देश्य समतामूलक समाज का निर्माण करना:राज्यपाल

आनंदीबेन भाषण में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि लविवि के 66वें दीक्षांत समारोह में उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। इस विधि विश्वविद्यालय सभ्यता के क्षेत्र में ऐसे महान विद्वान, वैज्ञानिक, लोक सेवक, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षक और लेखक हैं और उनकी प्रतिभा को समृद्धि और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। विधि का नाम किया गेहान डॉ.श्रीमान सहारी,डी.प्रोफेसर मुकर्जी,कलाम सर, एम.के.एम.ओ और लूथ। यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि एक राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शामवी भी यहीं के विद्यार्थ एवं विद्यान थे। उन्होंने सभी डिग्री धारकों और पदक विजेताओं को बधाई दी और कहा कि उनके छात्र राष्ट्र निर्माण के लिए समाजी प्रतिभा का अच्छा उपयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह एक विशेष अवसर का अवसर होता है, जब छात्र पीढ़ीगत और सामाजिक अंतर को मिलकर व्यावहारिक सत्ता प्राप्त करने के बाद जीवन के लिए संघर्ष शुरू करते हैं। उन्होंने कहा कि जो भी छात्र इस अवसर है उसे न केवल स्वयं मिलकर है बल्कि उसके छात्र और विश्वसहित अंतर्दृष्टि से उसके परिवार और समाज को भी लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि पिछले चरम साल के कार्यकाल में उन्हें लविवि में आने का कई बार मौका मिला,इस बार यह विधि उन्हें कुछ खास लगा। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय बौद्धों सदी के शुरुआती दशकों में शुरू हुआ था। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में, इसके छात्रों और लगभग ने राष्ट्र के लिए विभिन्न योगदान दिए हैं। उन्होंने कहा कि आबादी के लगभग 25 प्रतिशत वाले इस देश में 3,693 छात्र थे और हमारा बजट 23 लाख रुपये था। आज इस विधि परिसर में विद्यार्थियों की संख्या लगभग बीस हजार से गयी है। इसके पांच सौ संबंधित कॉलेजों के साथ-साथ दो लाख छात्रों ने विशेषज्ञ स्नातकोत्तर और पाठ्यक्रम पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया है।

लविवि के पूर्व छात्र दुनियाभर में तमाम क्षेत्रों में प्रगति कर रहे : रजनी तिवारी

दीक्षांत समारोह की विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने सभी पदक विजेताओं को पदक पाने अंतरराष्ट्रीय की गुजारी से कैदारनी प्रमाण पत्र करने के लिए भी बधाई दी। उन्होंने अपने कहा कि दीक्षांत समारोह लविवि और छात्र दोनों के लिए एक प्रकार का उत्सव है। उन्होंने विधि के छात्रों को भी बधाई दी। उन्होंने अपने कहा कि दीक्षांत समारोह एक विशेष अवसर है। जब छात्र पेढ़ाडिक और सामाजिक ज्ञान को मिलकर व्यावहारिक सत्ता प्राप्त करने के बाद जीवन के लिए संघर्ष शुरू करते हैं। उन्होंने कहा कि जो भी छात्र इस अवसर है उसे न केवल स्वयं मिलकर है बल्कि उसके छात्र और विश्वसहित अंतर्दृष्टि से उसके परिवार और समाज को भी लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि पिछले चरम साल के कार्यकाल में उन्हें लविवि की गतिविधियों और उपलब्धियों और लविवि के संकाय सदस्यों द्वारा लिखी गई पुस्तकों को प्रदर्शित करने वाली एक पुस्तिका का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद रेडियम्फूयूर इंडिया के सीएमडी डॉ.संदीप गोयल को मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। कुलपतिपति ने कुछ चयित बच्चों को उपहार और किताबें भेंट की। इसके अलावा, उन्होंने कुछ अध्यापकीय कार्यकर्ताओं को बिट उपहार में दी और फिर चयित बच्चों और अध्यापकीय कार्यकर्ताओं के साथ समूह तस्वीरें खिंचवाईं।

भारत में शिक्षा के महत्व को सदैव स्वीकार किया गया : कुलपति

लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने पूरे विधि बिरादरी की ओर से कुलाधिपति, प्रमुख अतिथि प्रो.बलराम भारगव और विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी का स्वागत किया और उन्हें दीक्षांत समारोह में उनकी उपस्थिति और शोभा बढ़ाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने डॉ.संदीप गोयल का भी स्वागत किया,जिन्हें 66वें दीक्षांत समारोह में मानद उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने सभी पदक विजेताओं और उन छात्रों को भी बधाई दी जिन्हें प्रदान की गई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत में शिक्षा के महत्व को सदैव बहुत प्रशंसित और विश्व प्रसिद्ध है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने फिर से भारतीय परम्परा के अद्भुत योगदान की ओर हमारा ध्यान आकर्षित किया।भारत में शिक्षा के महान को गौरव स्वीकार किया गया है। हमारा मानना था कि शिक्षा गुणवत्ता होनी चाहिए जो हमें सभी बंधनों से मुक्त कर दे। हम सभी अपने मूल मूलभूतभूत रूढ़ स्वरूप से सम्बन्धनी, सत्यनिष्ठ एवं सदाचारी बनें, ऐसी प्रार्थना हमारे सभी गुरुमूर्तों में मूलतो रही है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

प्रोफेशनल बनने से ही मिलेगी सफलता : प्रो. भार्गव

राज्यपाल की अध्यक्षता में डिग्री के साथ मेधावियों को पाटे गये मेडल, 43 हजार से अधिक छात्रों को डिजिलॉकर में दी गयी डिग्री

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कला प्रांगण में शुक्रवार को 66वें दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल और विधि की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल कर रही हैं।इसके अलावा मुख्य अतिथि के तौर पर पद्मश्री प्रोफेसर बलराम भार्गव, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी और विशिष्ट अतिथि के तौरपर डॉक्टर संदीप गोयल को मानक उपाधि से सम्मानित किया गया।इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 100 फीट ऊंचे पोल पर राष्ट्रीय तिरंगा झंडा फहराया। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर विधि के गेट नंबर दो पर स्थित उनकी प्रतिमा श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नव स्थापित संविधान स्थल का उद्घाटन किया।इस संविधान स्थल पर हमारे भारतीय संविधान की प्रस्तावना एवं रोमन भाषा दोनों ही लिपियों में स्थापित की गयी है।

कुलाधिपति ने डिजीलॉकर में डिग्रियों को शामिल करने के लिए कंप्यूटर टैब फाटन दबाया और सभी विद्यार्थियों को डिजीलॉकर में डिग्री उपलब्ध कराई गयी। साथ ही उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2022-23 में विश्वविद्यालय की गतिविधियों और उपलब्धियों और लखनऊ विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा लिखी गई पुस्तकों को प्रदर्शित करने वाली एक पुस्तिका का उद्घाटन किया। समारोह में राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के कुल 107 प्रतिभाशाली मेधावियों को 192 मेडल दिये, जिसमें 28 छात्र एवं 79 छात्राओं ने पदक हासिल किये। साथ ही समारोह में कुल 43398 उपाधियां दी गयीं। जिसमें स्नातक स्तर पर 33146, परास्नातक स्तर पर 10009 तथा 243 शोध उपाधि शामिल है। सभी उपाधियां डिजिलॉकर में अकाउंट कर दी गयीं। इस अवसर पर रॉइनयुजन इंडिया के सीएमडी संदीप गोयल को कुलपति ने मानद उपाधि दी। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रोफेसर बलराम भार्गव ने अपने संबोधन में सभी डिग्री धारकों और पदक विजेताओं को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम अब आजादी के 75वें वर्ष में हैं और यह हमारी आजादी का अमृत काल है। इसके बाद उन्होंने आजादी के पूरे 75 वर्षों में देश द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने कहा कि अर्थ और वेंचरल सेक्टर, फिनटेक और बांग्लादेश के अलावा देश की रक्षा सेवाओं ने देश की रक्षा की है और देश को विमलता प्रदान की है। उन्होंने देश के अंतरिक्ष और परमाणु कार्यक्रम के बारे में भी बात की और पोखरण-1 और पोखरण-2 की उपलब्धियों का उल्लेख किया और कहा कि देश जय जवान, जय किसान से जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय ओर बढ़ गया है। अनुसंधान पेटेंटिंग क्षेत्र के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में 6 में से 1 डॉक्टर भारतीय हैं। इसी तरह पूरी दुनिया में 05 में से 01 नर्स भारतीयहैं, और भारत 65 फीसदी जेनेरिक दवा और लगभग 60 फीसदी वैक्सीन का निर्माता है। भारत में विभिन्न क्षेत्रों में उन्होंने देश में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें पांच बिंदुओं का पालन करना चाहिए, जिसमें समय की पाबंदी, व्यवसायिक ज्ञान और योग्यता, पेशे में समर्पणता और ईमानदारी, सामाजिक प्रतिबद्धता और पेड़ लगाना है। पद्मश्री प्रोफेसर बलराम भार्गव ने छात्रों को सफलता के लिए कड़ा परिश्रम करने की सलाह दी।

बड़े सपने देखोगे तभी आगे बढ़ पाओगे : डॉ. संदीप गोयल

लखनऊ। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में मानद उपाधि से सम्मानित होने वाले रेडु कुं.डॉ. संदीप गोयल ने बताया कि जो भी व्यक्ति बड़ा सपना देखता है, वही इसका अर्थ बताता है। उन्होंने कहा कि मैं बड़ा होकर पायलट बनना चाहता था। लेकिन मेरे पिता ने मेरा सपना तोड़ा था और अब हम यहां तक पहुंचे हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि अपने अपने बचपन के लिए जो भी सपना देखते हैं उसे पूरा करने के लिए रोड मैप बनाएं और उसे पार करें। उन्होंने कहा कि हमारे एग्रवाइरोन्मेंट पूरी दुनिया में जय बोई जा रहा है।इसके अलावा, वे स्वयं कहते हम उस प्रोडेक्ट के बारे में सब कुछ बताते हैं और फिर वह तय करते हैं कि वह प्रोडक्ट किन लोगों के लिए है। उसके बाद उनतक पहुंचने के लिए हम इसका कार्य करते हैं। उन्होंने बताया कि आज पढ़ाई पूरी कर रहे छात्र के एक नये प्रोडक्ट की तरह है लेकिन यहां पढ़क विजेताओं को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम अब आजादी के 75वें वर्ष में हैं और यह हमारी आजादी का अमृत काल है। इसके बाद उन्होंने आजादी के पूरे 75

● शुक्रवार में मनाया गया लविवि का 66वां दीक्षांत समारोह

इन मेधावियों को मिले पदक

डिग्री पाने वाले कुल विद्यार्थी 43 हजार 398, कुलपदक - 193, कुल स्टूडेंट - 107,छात्र - 79,छात्रा - 28, स्वर्ण पदक - 173, रजतपदक - 2, कांस्य पदक - 16, कुलकुलपदक - 8 डॉक्टर राजेंद्र कोल मेडल - विज्ञ संस्था डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद - डिग्री कोर्स, यशवर्धी सोल मेडल - स्नातक शुक्रवार वाईन यशवंत गोल्ड मेडल - भावेनी कुशुना, व्यवसायात्मक मेडलमेडल्स - सीमा गुप्ता, यशवंत हीरा - अंजिता खन, अंकित कुमार, उत्तरा कुमारसिंह, विक्रमादित्य, जुहीचंद्रा, महीपाल, बन्धोबीयस, विश्वासुमित्रम, लिसलाशि, अरविंद सिंह।

हुई जिसे सबसे ज्यादा पदक: अमरजिता सिंह - 9 मेडल,श्वेता गुप्ता - 9 मेडल, इफ्शा खान - 8 मेडल,अन्न स्वरोहार - 6 मेडल,आयुषिका - 5 मेडल, अनुष्का सिंह - 5 मेडल, मृत्युन्जय कुमार - 5 मेडल,शिवि गौतम - 5 मेडल

महिलाओं को उच्चतर से दुनिया होती समृद्ध : राज्यपाल

लखनऊ। राज्यपाल ने सभी उपाधि प्राप्त छात्रों से तथा पदक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामना दी।शुभ्यता कि यह कार्यक्रम समाप्त नहीं है।उपाधियां एवं पदकों में छात्राओं की संख्या ज्यादा होने पर उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालय में यही स्थिति है। साथ-साथ मिलकर ? आगे बढ़ें यह प्रयास होना चाहिए। जब महिलाएं समूह होंगी तो दुनिया समृद्ध होगी है और उनका अधिक कार्यक्षेत्रकाल विकास जोड़ा जायेगा है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सराहना की कहा कि भारत में 3 करोड़ विद्यार्थी पढ़ रहे हैं और भारत में 1 करोड़ छात्र हैं। उन्होंने कहा कि भारत के विकास के लिए सामाजिक बुराइयों के रूप में दहेज प्रथा, बाल विवाह, लिंग भेद, जाति भेद, धर्म भेद, छुआछूत, भ्रष्टाचार, अपराधीकरण केंद्र बनाने। उन्होंने कहा कि आईटी और मोबाइल सेक्टर, क्रिकेट और बॉलीवुड के अलावा देश की रक्षा की है और देश की स्थिरता दी है। उन्होंने कहा कि अब हमें अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए कोचिंग सेंटर भेजना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में 1 करोड़ छात्र हैं